वीनस प्रोजेक्ट

राजनीती, दरिद्रता और युद्ध के परे

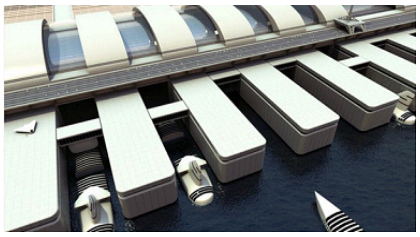
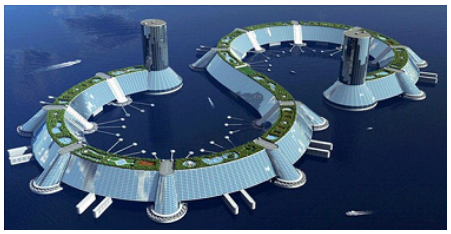

वीनस प्रोजेक्ट एक ऐसी संस्था है जो सामाजिक बदलाव के लिए प्रायोगिक योजनाएं प्रदान करती है, ऐसी योजनाएं जिनसे एक शांतिप्रिय एवं स्थायी सभ्यता की स्थापना की जा सके |

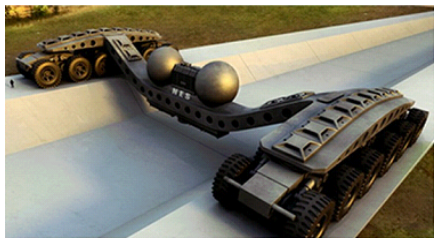

प्रेस किट 2012

W.W.W.THEVENUSPROJECT.COM

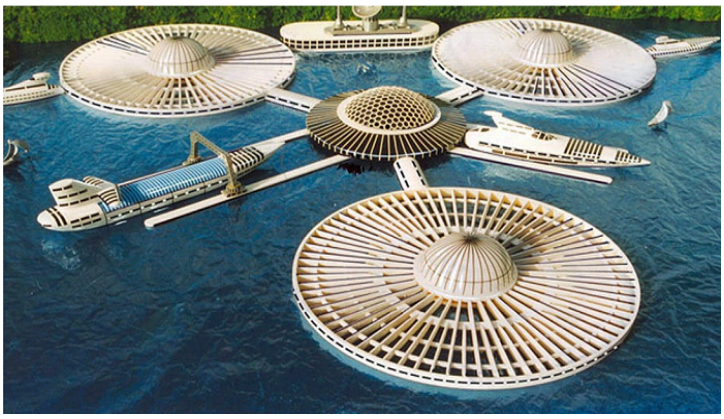

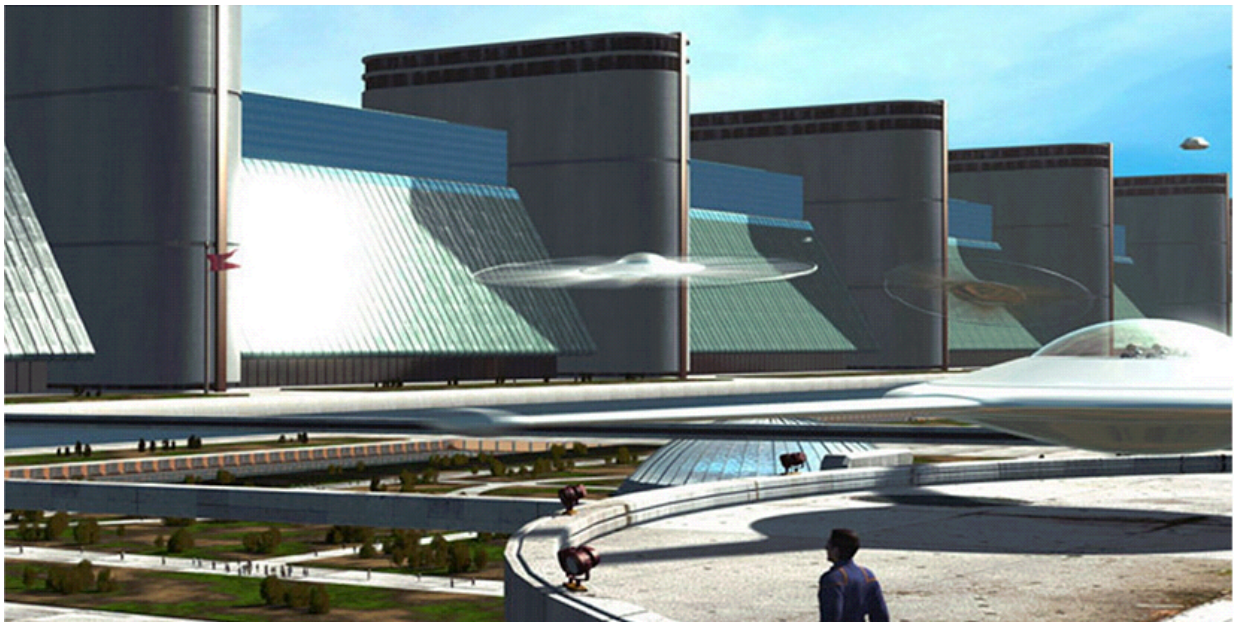

जाक फ्रेस्को द्वारा बनाए गए नक़्शे

www.thevenusproject.com

वीनस प्रोजेक्ट क्या है ?

वीनस प्रोजेक्ट एक ऐसी संस्था है जो वास्तविक योजनाओं का एक अभियान प्रस्तावित कर रही है जो सामाजिक बदलाव के तरफ काम करे और जिससे एक शांतिपूर्ण एवं चिरस्थायी विश्व समाज बन सके | यह एक ऐसे विकल्प का रूपरेखा तैयार करता है जिससे मानव अधिकार कागज़ पर लिखे गए घोषणा मात्र न बन कर रहे बल्कि जीवन के रहन सहन में शामिल हो जाए |

वीनस प्रोजेक्ट स्पष्ट रूप से हमे हमारी सभ्यता का पुनर्गठन करने के लिए आमंत्रित करती है जिससे युद्ध, दरिद्रता, भुखमरी, क़र्ज़ और बेकार के मानव कष्टों को न केवल रोके जा सकेंगे बल्कि उन्हें सम्पूर्ण रूप से अस्वीकार किये जायेंगे | यह एक ऐसी वैकल्पिक दर्शन प्रस्तुत करती है जैसा पहले किसी राजनैतिक, अर्थनैतिक या सामाजिक व्यवस्थाओं में न देखा गया हो | यह कल्पना करती है कि नजदीकी भविष्य में पैसा, राजनीती, राष्ट्रीय और खुद की स्वार्थ विलुप्त हो चुके होंगे | हालाँकि यह कल्पना काफी आदर्शवादी एवं असंभव सा लगता होगा पर यह जाक फ्रेस्को के द्वारा किये गए ७५ सालों के शोध पर आधारित है |

जैसे - जैसे अन्तराष्ट्रीय चुनौतियाँ एवं वैज्ञानिक जानकारियाँ बढ़ेंगे, वैसे-वैसे लोग और राष्ट्र सार्वजनिक खतरों का सामना करेंगे जो राष्ट्र के सीमाओं के परे हो | जनसँख्या वृद्धि, इंधन की कमी, पर्यावरण का प्रदुषण, पानी की कमी, आर्थिक तबाही, बेकाबू हुए बिमारियों का फैलना, और प्रोद्योगिकी के कारण मशीनों द्वारा मनुष्यों का विस्थापन, हम सभी को चुनौती दे रही है | हालाँकि बहुत लोग इस कोशिश में लगे हैं कि इन कष्टों का निवारण हो, परन्तु जब तक कुछ शक्ति शाली देश संसाधनों को नियंत्रित करते रहेंगे और उन्हें ज्यादा से ज्यादा खर्च करते रहेंगे तब तक समाज एवं पर्यावरण की समस्याएं पूरी तरह से नही सुलझेंगे |

आज हमारे पास ऐसी प्रोद्योगिकी है जिससे हम अंतरष्ट्रीय स्तर पर संसाधनों को नाप सकते हैं और उनको संभाल सकते हैं | हमारी प्रोद्योगिकी तेज़ी से विकास कर रही है पर हम इसी रफ़्तार से और अभिनव प्रणालियों द्वारा अपने सामाजिक व्यवस्थाओ का जांच नही करते और न ही हम अन्तराष्ट्रीय स्तर पर संसाधनों को आवंटित करने की प्रणाली को उसी रफ़्तार से जांचते हैं | अगर विज्ञान और प्रोद्योगिकी का चतुराई से एवं मानविक प्रयोग हो, तो दुनिया के लोग मिलकर भविष्य का नेतृत्व कर सकते हैं और साथ में पर्यावरण को संरक्षित भी कर सकते हैं | आज के दौर में संसाधनों का आवंटन पैसों के द्वारा करने का अभ्यास बेतुका है, खतरनाक है और मानव की जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ है |

आज जैसे योजनाबद्ध तरीके से चीजों को घटिया बनाकर कार्यक्षमता को जानबूझकर लगातार कम किया जाता है ताकि एक ऋण-आधारित आर्थिक व्यवस्था टिकी रह सके जो कृत्रिम कमी को लगातार बढ़ाती है, ऐसे अक्षम प्रणाली की अब हमें जरुरत नही | अगर हम सच में पर्यावरण का और हमारे साथी मनुष्यों का भला चाहते हैं, और यदि युद्ध, अपराध, गरीबी और भुखमरी को कम करना चाहते हैं तो हमें उन सामाजिक प्रणालियों को समझना होगा जो इनके जिम्मेदार हैं | हम माने या न माने, हमारी यह लाभ -आधारित अर्थ व्यवस्था और इससे जुड़ी सामाजिक मुल्यें इन सारी समस्याओं के जड़ है | हम एक ऐसे समय पर आ चुके हैं जहाँ विज्ञानं और प्रोद्योगिकी के नयी तरकीबें आसानी से विश्व के सारे लोगों के लिए प्रचुरता प्रदान कर सकती हैं अगर हम इन तरकीबों को सामाजिक कल्याण एवं पर्यावरण की सुरक्षा के तरफ निर्देशित करें | वीनस प्रोजेक्ट इसे पूरा करने के लिए एक योजना प्रस्तावित करती है |

"विज्ञानं और प्रोद्योगिकी के

सारे चमत्कार, इलेक्ट्रानिक्स

एवं यांत्रिकी के सारे अदभुत

वस्तुएं अगर इन्सान के जीवन को बेहतर न बनाएं

तो वो बस कबाड़ है, बेकार है" - जाक फ्रेस्को

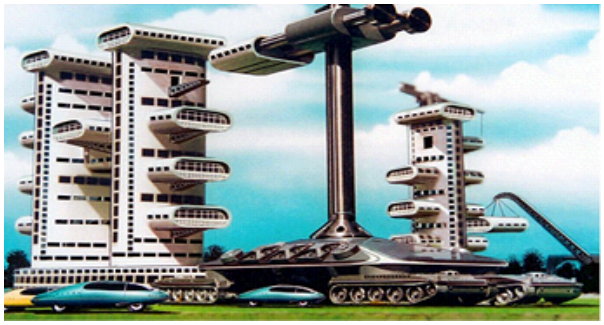

जाक फ्रेस्को के बनाये हुए नक़्शे © वीनस प्रोजेक्ट www.thevenusproject.com

संसाधन आधारित अर्थव्यवस्था क्या है ?

"संसाधन आधारित अर्थव्यवस्था" की कल्पना जैक फ्रेस्को ने किया | इस व्यवस्था में दुनिया के सभी प्रकार के चीजों एवं सेवाओं को पैसे, विनिमय, कर्ज, या किसी भी प्रकार की गुलामी के बिना ही उपलब्ध कराई जाएगी |

धरती पर प्रचुरता लाने के लिए हमारे पास पर्याप्त पैसा नही है लेकिन हमारे पास जरुरत से ज्यादा संसाधन हैं । इसीलिए वीनस प्रोजेक्ट की यह प्रस्ताव है कि हम पूरे विश्व में एक संसाधन आधारित अर्थ व्यवस्था बनाये, जिसमे धरती के सारे संसाधन विश्व के सभी लोगों की सार्वजनिक विरासत होगी | सीधी तरह से कहा जाए तो संसाधन आधारित अर्थ व्यवस्था सबसे ज्यादा मानविक एवं सबसे ज्यादा कुशल वितरण प्रणाली प्रदान करने के लिए मौजूदा संसाधों को इस्तेमाल करती है न की पैसों को |

संसाधन आधारित अर्थव्यवस्था को अच्छी तरह से समझने के लिए, कल्पना कीजिये कि अगर धरती के सारे पैसों को रातों - रात गायब कर दी जाए, मगर जब तक जमीन की उपरी मिट्टी, कारखाने, कर्मी एवं बाकी के संसाधनों को सलामत रखी जाए, हम दुनिया के लोगो की जरूरतों को पूरा करने के लिए कुछ भी बना सकते हैं I लोगों को पैसे नही चाहिए बल्कि उन्हें चाहिए कि वह चीजों का मुफ्त इस्तेमाल कर पाए बिना कोई आर्थिक सुरक्षा की चिंता किए या बिना कोई सरकारी दफ्तर में जाकर अपील किए I संसाधन आधारित अर्थव्यवस्था में प्रचुरता के कारण पैसे बेकार एवं अप्रचलित हो जायेंगे |

संसाधन आधारित अर्थव्यवस्था संसाधनों की कमी को पूरा करने के लिए प्रोद्योगिकी(टेक्नोलोजी) का इस्तेमाल करता है जैसे इंधन के उन स्रोतों का इस्तेमाल करके जो अक्षय हो, उद्योग एवं निर्माण प्रणाली को स्वचालित करके, ऐसे शहरों का निर्माण करके जो इंधन -कुशल हो, अन्तराष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ सेवा प्रदान करके, उचित शिक्षा उपलब्ध करके एवं एक ऐसी प्रोत्साहन व्यवस्था बनाकर जो मानव और पर्यावरण के ख्याल पर आधारित हो | हम प्रकृति से अलग नही हैं | हमें पृथ्वी के संसाधनों के ढोने की क्षमता के अनुसार जीना सीखना होगा |

कुछ लोग पूछते हैं कि अगर हमें हमारे जरुरत की हर चीजें बिना कोई काम किये ही मिलने लगे तो प्रोत्साहन का क्या होगा | यह सवाल यह मान कर चलता है कि इंसानों को बुनियादी जरूरतों के इलावा और कुछ नही चाहिए |

अगर ऐसा सच होता, तो फिर कोई अविष्कारक, लेखक या कोई शिक्षक इस दुनिया में नही होते | लोग उन सब चीजों पर काम करना चाहते हैं जो उन्हें चुनौती दे और जिनमे उनकी दिलचस्पी हो | प्रोत्साहन और प्रेरणा तब मिलती है जब लोग सार्थक, अर्थपूर्ण कार्यो को अपनाते हैं | प्रेरणा एवं प्रोत्साहन ख़त्म हो जाती है जब लोगों को पैसों के लिए घिसीपिटी एवं उबाऊ काम करनी पड़ती है | सच्ची उन्नति तब होती है जब लोगों को सृजनात्मक, चुनौती भरा एवं रचनात्मक काम करने को मिलता है |

राष्ट्र एक दुसरे पर निर्भर करते हैं | हम यह भ्रम अपनाएं हुए हैं कि राष्ट्र अब भी दुसरे राष्ट्रों से और जो प्रोद्योगिक विकास हो रही है उससे अलग रह सकते हैं | हमारे शहरों के बनावट को, जल मार्गों को, उत्पादन एवं वितरण केन्द्रों को और परिवहन व्यवस्थाओ को नया स्वरुप देना होगा ताकि वह एक साथ मिलकर एक विश्व व्यवस्था में काम कर सके | इस तरह से हम अपनी प्रोद्योगिकी को संसाधनों की कमी से छुटकारा पाने के लिए एवं अन्तराष्ट्रीय स्तर पर प्रचुरता लाने के लिए एवं पर्यावरण की रक्षा करने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं | वीनस प्रोजेक्ट इसे पाने के लिए मूल योजनाओं, प्रणालियों तथा प्रक्रियात्मक व्यवस्थाओं पर काम करती है |

वीनस प्रोजेक्ट की जो सोंच है कि विज्ञानं और मानविक प्रोद्योगिकी को सामाजिक व्यवस्था में लागु किया जाए , इससे विश्व के हर लोगों का भला होगा | ऐसा सपना जो सदियों से लेकर आज तक मानव सभ्यता में पूरा नही हो पाया है, वो अब पूरा हो सकता है | अच्छे जीवन के साकार होने की संभावनाएं इस बात पर निर्भर करती है कि हमारे आज के फैसले क्या है | सिर्फ अत्याचार और अन्याय की शिकायत करके या दुखड़ा रोने से काम नही चलेगा | आज यह अत्यावश्यक हो चूका है कि हम अपने समस्याओं को दूर करने के लिए नए रास्ते अपनाएं | वीनस प्रोजेक्ट एक विश्व परिकल्पना है और एक आमंत्रण है कि हम साथ मिलकर विचार करें, तलाशें और एक नया भविष्व बनाए |

जाक फ्रेस्को

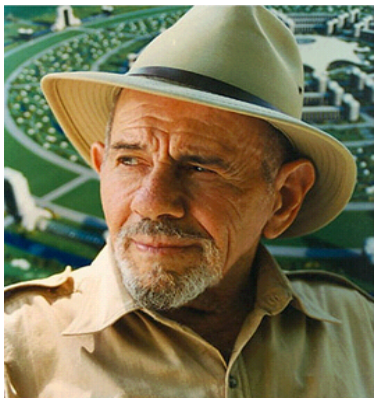

श्रीमान फ्रेस्को एक औद्योगिक डिजाइनर एवं सामाजिक अभियंता रह चुके हैं | वह मानव कारकों में अभियांत्रिकी के लिए अग्रसर हैं | फ्रेस्को ने एक डिजाइनर एवं अविष्कारक होने के नाते बहुत से विषयों में काम किया है जैसे चिकित्सा क्षेत्र में अविष्कारों से लेकर सम्पूर्ण संगठित समाज व्यवस्थाओं की रचना तक |

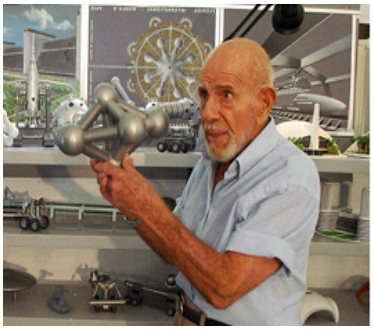

वीनस प्रोजेक्ट जाक फ्रेस्को के आजीवन मेहनत के फल को दर्शाता है ; जिसमे विज्ञानं और प्रोद्योगिकी के सबसे अच्छे गुणों को संयोजित किया गया है ताकि एक विस्तृत उपाय बन सके मानवता और पर्यावरण के कल्याण के लिए | हमारे आज के प्रौद्योगिकीय समय में मानवता के भविष्व की आशा का यह एक विश्व व्यापी कल्पना है |

"फिउचर बाई डिजाइन" नामक एक प्रमुख वृत्तचित्र ने जाक फ्रेस्को के जीवन , उनके दर्शन , और उनके योजनाओं को प्रस्तुत किया है | इस वित्तचित्र को अकादेमी पुरस्कार नामांकित एवं एम्मी पुरस्कार विजेता विलिअम गज़ेकी ने पेश किया था |पीटर जोज़ेफ़ ने भी अपने फिल्म "जाईटगाइस्त एडेनडम" एवं "जाईटगाइस्त मूविंग फॉरवर्ड " में जाक फ्रेस्को एवं वीनस प्रोजेक्ट को दिखाया है |

जाक फ्रेस्को के कुछ अविष्कारों में हैं :

* प्रदुषण रहित एवं बिना शोर-गुल के विमान
* अमेरिकी वायु सेना द्वारा पेटेंट किया गया विमान के पंख का एक नया ढांचा
* रेमंड देसर के लिए एक स्थिर विद्युतीय व्यवस्था जिससे विमान के ध्वनि तरंगो से हो रहे शोर को कम किया जा सके
* माइक शोर एवं उर्ल मुंज के लिए "दी अलुमिनियम ट्रेंड हॉउस" नामक एक पूर्वनिर्मित घर का ढांचा
* चिकित्सा क्षेत्र में तीन आयामी एक्स रे से लेकर इलेक्ट्रोनिक सर्जिकल उपकरणें

फ्रेस्को के बहुत सारे डिजाइनों को एवं अविष्कारों को खरीद लिया गया है एवं पेटेंट करवा लिया गया है एवं उन्हें काफी वैनिज्यिक स्वीकृति मिली है

फ्रेस्को द्वारा लिखी गयी किताबें :

* लूकिंग फोरवर्ड केनेथ काइज़ के साथ, १९६९ , ए.एस.बार्न्स एंड कम्पनी
* दी वीनस प्रोजेक्ट : दी रिडिजाइन ऑफ़ ए कल्चर, १९९५
* वर्ल्ड फिउचर सोसाइटी बेस्ट सेलर
* दी बेस्ट दैट मनी कांट बाई : बियोंड पोलिटिक्स , पोवर्टी एंड वार , २००२
* दिज़ैनिंग द फिउचार, २००७

फ्रेस्को द्वारा बनाए गए विडिओ :

* दी वीनस प्रोजेक्ट: रिडिजाइन ऑफ़ ए कल्चर, १९९४
* वेलकम टू द फिउचर, २००१
* सीटीस इन द सी, २००२
* सेल्फ इरेक्टिंग स्ट्रक्चर्स, २००२
* डिजाइनिंग द फिउचर, २००६

श्रीमान फ्रेस्को बहुत सारे उच्च शिक्षा के संस्थाओं में अतिथि व्याख्याता रह चुके हैं | संत बारबरा , कलिफोर्निया में स्थित सेंटर फॉर दी स्टडी ऑफ डेमोक्रेटिक इन्सटीटिउशंस के होने वाले चर्चाओं में उन्होंने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया था | दक्षिण फ्लोरिडा के विश्वविद्यालय में राल्फ नेडार और उन्हें अतिथि व्याख्याता के रूप में बुलाया गया था | प्रिंस्टन विश्वविद्यालय में श्रीमान फ्रेस्को ने समाज शास्त्र के प्रभाग को संबोधित किया था | उनका विषय था भविष्य का समाज शास्त्र | मार्गरेट मीड जैसे वैज्ञानिकों के साथ श्रीमान फ्रेस्को को निमंत्रित किया गया था वाशिंगटन डी .सी. के कोलेज एन्वैरोंमेंट कांफेरेंस में संबोधित करने के लिए | लाटिन अमेरिका के उच्चतम कॉलेज , टी ई सी डे मोनेरे के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में दसवीं वैज्ञानिक सम्मलेन में अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित थे | ओरलेंडो , फ्लोरिडा में काल्पनिक विषयों के सम्मलेन में वह अतिथि वक्ता थे और बहुत से विश्व भविष्य समाज के सम्मेलनों उन्होंने व्याख्यान दिया है | संयुक्त अरब एमिरात के दुबई शहर में भविष्य योजना के लिए उन्हें अतिथि वक्ता थे | उत्तर पूर्वी चाइना के विकास के लिए चाइना के डालियन शहर में के एक सम्मलेन में उन्हें अतिथि वक्ता के रूप में बुलाया गया था | आइसलैंड के एक सम्मलेन में भी उन्हें बुलाया गया था और तुर्की के इस्तांबुल शहर में हुए २००८ के फिउचर समिट में उन्हें बुलाकर सम्मानित किया गया | विएना के तकनिकी विश्वविद्यालय में भी वक्ता रह चुके हैं | २०१० में जाक फ्रेस्को और रोक्सेन मेदोज़ ने ३० से भी ज्यादा राष्ट्रों में जाकर अपने विश्व व्याख्यान ले दौरे को पूरा किया |

श्रीमान फ्रेस्को के प्रस्तुतितियाँ वर्तमान समस्याओं के मूल कारणों को उजागर करने का और रचनात्मक विकल्पों का रूपरेखा तैयार करने की गंभीर प्रयास को दर्शाता है | ऐसा करने के लिए वो हमारे समाज को पुनर्गठित करने की बात को प्रस्तुत करते हैं, ऐसा समाज जो विज्ञानं एवं प्रोद्योगिकी को बुद्धिमत्ता से इस्तेमाल करने पर जोर देता हो जिससे सारे मनुष्यों के जीवन को सुधारा जा सके एवं साथ में पर्यावरण को भी सुरक्षित रखा जा सके | उनका व्याख्यान करने का तरीका कुछ ऐसा है कि गैर तकनिकी लोग भी जटिल सामाजिक एवं तकनिकी अविष्कारों के महत्त्व को आसानी से समझ लेते हैं | वह बड़े ही नाटकीय अंदाज़ से एवं चतुराई से हमारे आज के समाज के तत्कालीन संक्रमणकालीन समस्याओं के बारे में बताते हैं | उनके श्रोता बड़े ध्यान से उनकी प्रस्तुति को शुरू से अंत तक देखते एवं सुनते हैं | श्रीमान फ्रेस्को के व्याख्यानों को लगातार सराहा गया है एवं उत्साह से अपनाया गया है | जाक फ्रेस्को के सोसियो साइबरनियरिंग संस्था को अब दी वीनस प्रोजेक्ट के नाम से जाना जाता है | अपने सहयोगी रोक्सेन मेदोज़ के साथ मिलकर उन्होंने सम्पूर्ण २१ एकड़ जमीन पर अपना अनुसंधान केन्द्र बनाया है | इस परियोजना की उपयोगिता यही है कि विश्व की प्रमुख समस्याओं के समाधानों को तैयार करना | विश्व भर के टेलीविजन और पत्रिकाओं में इस परियोजना की चर्चा की गयी है |

रोक्सेन मेडोज़

रोक्सेन मेडोज़ ने मूर कॉलेज ऑफ आर्ट्स से अपना बी.ऍफ़.ए का डिग्री हासिल किया | उन्होंने जाक फ्रेस्को के निर्देशन में तकनिकी एवं आर्किटेक्चरल रेंडरिंग और मोडल बनाना सीखा |

आज वह एक पारंगत एवं जानी मानी तकनिकी एवं वास्तु कला के चित्रकार एवं मोडल बनाने वालीं हैं | मेदोज़ चिकित्सा एवं विज्ञानं से जुड़ी एक सक्षम चित्रकार भी हैं |

१९८५ से , मेडोज़ राष्ट्र भर में वास्तु कला से जुड़े लोगों और आर्किटेक्ट्स को चित्र , मोडल औरडिजाइन बना कर देती रहीं हैं | वह १९९७ से लेकर २००८ तक आर्किटेक्चरल

आर्ट्स कंपनी के अध्यक्ष रह चुकीं हैं | सेब्रिंग एंड लेक प्लासिड आर्ट सेंटर्स में उन्होंने तकनिकी एवं फाइन आर्ट्स सिखाया एवं केन स्नीदेन एंड अस्सोसिएट्स के लिए कम्पिउटर एनिमेटर का काम किया |

१९७५ से लेकर आज तक , उन्होंने जाने माने भाविश्ववादी जाक फ्रेस्को के साथ काम करके वीनस प्रोजेक्ट को बनाया एवं उसे प्रचिलित किया | उन्होंने २१ अकड़ में फैली वीनस प्रोजेक्ट के अनुसंधान एवं योजना केंद्र के इमारतों की अंदरूनी एवं बाहरी संरचना करने के लिए योगदान दिया |

रोक्सेन मेडोज़ ने पिछले ३५ सालों से वीनस प्रोजेक्ट की प्रस्तुत की हुई विभिन्न शहरों के एवं अन्य प्रस्तावों के रूपरेखाओं, मोडल एवं चित्रों को बनाई है | इनमे से बहुत सारों को टेलीविजन,पत्रिकाओं, तथ्य चित्रों, फिल्मों , वेबसाइट एवं ब्लोग्स में दिखाया गया है |
श्रीमान फ्रेस्को के साथ उन्होंने बतौर भाविश्ववादी बन कर दुनिया भर में सभाओं के जरिए वीनस प्रोजेक्ट के प्रस्तावों को पेश किया है |

मेडोज़ ने श्रीमान फ्रेस्को के साथ मिलकर इन फिल्मों पर काम किया :

* वेलकम टू द फिउचर
* ए कन्वर्सेशन विथ सोशल इनोवेटर एंड फिउचरिस्ट जाक फ्रेस्को
* सेल्फ इरेक्टिंग स्ट्रक्चर्स
* सिटिज़ इन द सी
* डिजाइनिंग द फिउचर
* द वीनस प्रोजेक्ट टूर

रोक्सेन मेडोज़ ने बहुत सारे परियोजनाओं के प्रकाशनों में डिजाइन सलाहकार होने के साथ साथ इन सब में लिखने का योगदान दिया :

* फ्रस्को की किताब "द बेस्ट दैट मनी कैंट बाई : बियॉंड पोलिटिक्स , पोवर्टी & वार " को लिखने की व्यवस्था की और किताब लेआउट को डिजाइन किया
* जाक फ्रेस्को की किताब "डिजाइनिंग द फिउचर " को लिखने की व्यवस्था की
* आर्थर बी शोस्टाक (PhD) की किताबों की श्रृंखलाओं में एक लेख "रीइंवेंटिंग इराक " की सह लेखिका थीं
* आर्थर बी शोस्टाक (PhD) के द्वारा सम्पादित एवं संकलित किताब "उटोपियन थिंकिंग इन सोसिओलोजी : क्रिएटिंग ए गुड सोसाइटी में एक लेख "बियॉंड इउटोपिया" की सह लेखिका थीं |

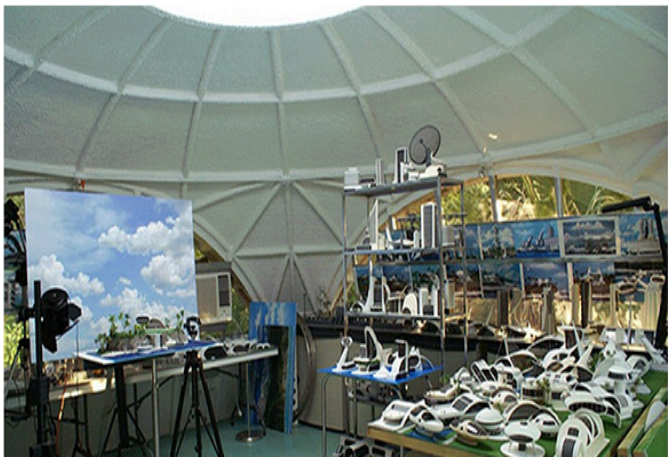

विश्वयात्रा

२०१० में जाक फ्रेस्को और रोक्सेन मेडोज़ ने १८ से भी ज्यादा देशों में घूमकर वीनस प्रोजेक्ट की २६ से भी ज्यादा सफल प्रस्तुतियाँ प्रदान की |

अनुसन्धान केंद्र

बहुत सारे उपायों को अब सच्चाई में बदलने की कोशिश की जा रही है | वीनस प्रोजेक्ट के पहले चरण में २१ एकड़ में फैली डिजाइन सेंटर बनी जो फ्लोरिडा के दक्षिण -केंद्रीय प्रिस्टिन में है, जहाँ भविष्य को बनाने की कोशिश जारी है |

असली इमारतों और सम्मलेन केंद्र को मोडल , चित्रकारी , मूल योजनाओ , पोस्टरों , किताबों, वीडियो प्रस्तुतियों द्वारा पूरा किया जाता है | ये पहले कदम पुरे हो चुकें हैं ताकि भविष्य को देखा , महसूस , एवं छुआ जा सके |

इमारतें जो दिखाई गई हैं ये आने वाले चीज़ों के आकृतियाँ हैं - सिर्फ वास्तु आकृतियाँ नही बल्कि एक जीने का नया चलन जो अब हासिल किया जा सकता है | ये साफ़ , सुरक्षित , उच्च- तकनिकी , एवं खूबसूरत होंगे ,पर फिर भी प्रकृति के साथ सामंजस्य होंगे | वीनस प्रोजेक्ट दिखाता है कि विज्ञानं और प्रोद्योगिकी की सबसे अच्छी खूबियों से हम क्या पा सकते हैं और साथ में प्रकृति की संतुलन को कैसे बनाए रख सकतें हैं |

प्रोजेक्ट की अधिक जानकारी के लिए, कृपया यहाँ जाये www.thevenusproject.com

वीनस प्रोजेक्ट के प्रचार का नमूना :

पत्रिकाएं :

१९४४ - ग्रेट लेक्स टेक्नोक्रेट

१९४८ - दी टेक्नोक्रेट १९४८ ट्रेंड होम वर्ल्ड प्रिमिअर शोइंग

१९६१ - प्रोजेक्ट अमेरिकाना -फीडबैक

१९७१ - रीडिजाइनिंग ए कल्चर - साइंस न्यूज़

१९९० - गल्फ्शोर लाइफ

१९९३ - ली लिविंग

१९९४ - प्रेडिकशंस

१९९४ - द फिउचारिस्ट - मई

१९९५ - द फिउचारिस्ट

१९९५ - द वीनस प्रोजेक्ट - मिडिया वेव

१९९६ - एपोका स्पेन

१९९६ - वीकली रीडर जैन १२

१९९६ - जर्नल ऑफ दी सीनरजेटिक सोसाइटी

१९९७ - डिट्रर . न्यू यॉर्क

१९९७ - गैलरी रशिया

१९९८ - शिफ्ट .कैनेडा

१९९८ - वीकली रीडर जैन २३

१९९८ - वेलकम टू द फिउचर - वीडियो लिब्रेरियन

२००० - एफ एक्स . UK

२००० - द वीनस प्रोजेक्ट - संडे २-१९

२००० - द कम्पास .एक्सोन मोबिल

२००१ - जी.क्यू. - इटली २००१- जोनास.फ्रान्स

२००१ - लोकन डेस्टिनेशन रिविऊ

२००१ - वीनस सर मेर - जोनास फ्रान्स

२००२ - मेर. जर्मनी

२००२ - इंजिनिअरिंग ए न्यू फिउचर टूमॉरो

२००२ - सी सिटिज़ -फिउचारिस्ट

२००२ - द वीनस प्रोजेक्ट मैर जर्मनी

२००२ - थिंकिंग बिग एबाउट दी फिउचर

२००३ - दी अल्टीमेट प्रोजेच्क गेटेंहेड .मैग

२००३ - बिल्डिंग ए बेटर वर्ल्ड , इंडसत्रिअल इंजीनिअर

२००३ - प्रोसेसो मेक्सिको

२००४ - रीदिजैनिंग द वर्ल्ड - आयरिश औन्त्रेप्रेनिउर

२००५ - द फिउचरिस्ट

२००६ - रसियन मैग

२००६ - द सिटी ऑफ द फिउचर - इन्ड्नैशनल मैग्जीन ऑफ स्पेस डिजाइन

२००६ - द फिउचर बाई डिजाइन रिविऊ - लाइब्रेरी जर्नल

२००६ - इउ.एस.ए. दोकिउमेंत्री फीचर्स

२००७ - गैलरी रशिया

२००७ - फोटोशॉप टर्की

२००८ - ऍफ़.एच एम स्पेन

२००८ - एमिउज्मेंट

२००८ - दैलोग.टर्की

२००८ - जी.ओ. आर्क एंड डिजाइन इसु

२००८ - आई.एन. सेंटर लाइफ टर्की

२००८ - वि एस. .गैलेक्तेक्तें .हेबर.वार

२००९ - चिक

२००९ - जियो

२००९ - जाईटगईस्त - पजवासरा

२००९ - ग्रीक , फोकस

२०१० - अगोरा

२०१० - रिसोर्स बेस्ड इकोनोमी - नैचरल कमिउनितिज़

२०१० - द फिउचर बाई डिजाइन - पोसिटिव लाइफ

२०१० - द वर्ल्ड एकोर्डिंग टू फ्रेस्को - फिउचर ओरिएंटेशन

२०१० - विस लाखो जिविमो वी ब्लागिंजी - विव

२०११ - री - इंजिनिअरिंग द वर्ल्ड विथ |क्रेजीइन्जिनिअर्स.कोम

अखबारें :

१९४७ -१९६१- ट्रेंड होम आर्टिकल्स

१९४७ - एल . ए. इवनिंग हेराल्ड एक्सप्रेस

१९५० - न्यूज़पेपर

१९५६ - मायामी हेराल्ड

१९६१ - मायामी न्यूज़

१९७३ - मायामी हेराल्ड

१९७६ - मायामी हेराल्ड

१९७९ - होलिवूद सन - तैत्लर

१९८१ - लेक प्लेसिड

१९८६ - द न्यूज़ - सन

१९८६ - द सेब्रिंग न्यूज़

१९८८ - लेक प्लासिड जर्नल

१९९३ - २१- सेंचुरी न्यूज़

१९९६ - द डेटोना बीच संडे जर्नल

१९९६ - संडे न्यूज़ प्रेस

१९९६ - संडे न्यूज़ प्रेस

१९९६ - द न्यूज़ - सन

१९९७ - द न्यूज़ - जर्नल

२००० - नैशनल होटल एक्सिकिउतिव

२००२ - सन .२-१९

२००२ - होस्टन क्रोनिकल

२००२ - द हेराल्ड .७-११

२००२ - वीकेंड रीडर

२००४ - नोवा

२००८ - जर्मनी .विलियन @ofir.dk

२००८ - पज़त्सी . टर्की

चर्चा के कुछ विषय :

* वीनस प्रोजेक्ट सकारात्मक बदलाव के लिए एक नमूना है | विकल्पों को पेश किए बिना सिर्फ असमानताओं के बारे में शिकायत करना काफी नही है |

* किस तरह जाक फ्रेस्को इस निर्देशन की तरफ पहुचे |

* संसाधन आधारित अर्थव्यवस्था जहाँ सब कुछ "मुफ्त" में मिलता है |

* पहले से योजित "टिकाऊ शहरों" या "सम्पूर्ण नगर व्यवस्थाओं" के गुण एवं खूबियाँ |

* सामाजिक व्यवस्थाओं पर वैज्ञानिक प्रणाली का प्रयोग | किस तरह पर्यावरण का मनुष्यों के मूल्यों एवं व्यवहारों पर प्रभाव होता है

* मनुष्य के विचारधाराओं का बदलाव |

* वैयक्तिकता एवं सृजनता को पाने की ज़रुरी प्रक्रिया |

* इस स्थापित समाज को टिकाए रखने के लिए लोगों को सिखाया जाता है |

* एक टिकाऊ समाज तक पहुचने के लिए ज़रुरी बदलाव |

* हमें धरती के वहन करने की क्षमता के अनुसार जीना होगा |

* वर्तमान समाज से संसाधन आधारित अर्थव्यवस्ता तक पहुचने की प्रक्रिया |

Contact

Jacque Fresco & Roxanne Meadows
The Venus Project

21 Valley Lane
Venus, Florida
33960
USA

Office: +1 863 465 0321
Email: tvp@thevenusproject.com

www.thevenusproject.com